माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सामाजिक विज्ञान	3 0 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक A- 1829238

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

1	4	3	1	4	2	6	4	5

शब्दों में

एक	चार	तीन	एक	चार	दो	छः	चार	पाँच

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3				
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 07

ग – परीक्षा का दिनांक 26 03 2014

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाईस्कूल
परीक्षा वर्ष–2014

312047

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
[signature] 26.3.14	[signature]

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्याकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की सख्या उपरोक्तानुसार सही पाई गई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्ठी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित सस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
C.L.Jhariya 9770479	S HAN 977 J34

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

6/3/14 HV

केवल परीक्षक द्वारा भरा जाँवे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अकों
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		

कुल प्राप्तांक ... प्राप्तांक अं

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र

B S E

उत्तर क्र० 1

(1) वित्त बैंक

(2) बहादुर शाह जफर

(3) महात्मा गांधी

(4) सामाजिक

(5) गुणवत्ता

प्रश्न क्र० (2) का उत्तर

(1) भूकम्प, भूस्खलन, सुनामी आदि।

(2) सर्वोच्च न्यायालय

(3) पार्षद

(4) एक लम्बे और समृद्ध जीवन के लिए जन्म के समय जीवन प्रत्याशा।

(5) 24 दिसंबर

निरंतर ---

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र० (3) का उत्तर

(1) असत्य

(2) असत्य

(3) सत्य

(4) सत्य

(5) सत्य

प्रश्न क्र० (4) का उत्तर

अ		ब
(1) आकाशवाणी	-	1957
(2) स्वामी विवेकानंद	-	रामकृष्ण मिशन
(3) चरण पादुका गोलीकाण्ड	-	छतरपुर
(4) परिवहन एवं संचार	-	तृतीयक क्षेत्र
(5) सीमेंट का कारखाना	-	द्वितीयक क्षेत्र

[ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 4 के अंक   कुल अंक

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADH

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (5) का उत्तर

(1) हीरा

(2) 1948

(3) 20 अक्टूबर 1962

(4) 10

(5) उपर्युक्त सभी

B
S
E

प्रश्न क्र० (6) का उत्तर

मृदा अपरदन - बहते हुये जल, वायु, जीव-जंतुओं, व मानवीय क्रियाकलापों के द्वारा मृदा के ऊपरी उपजाऊ आवरण का कटना, बहना और उड़कर अन्यत्र स्थानांतरित हो जाने को मृदा अपरदन कहते हैं। मृदा अपरदन को मृदा क्षय भी कहते हैं।

प्रश्न क्र० (7) का उत्तर

तात्कालिक कारण - 29 मार्च, 1857 को बैरकपुर की सैनिक छावनी में मंगल पाण्डे नामक

निरंतर -

सैनिक ने चर्बी लगे कारतूसों के इस्तेमाल को मना कर दिया और उत्तेजित होकर अंग्रेज अफसरों की हत्या कर दी। परिणामस्वरुप उसे बंदी बना लिया गया और 8 अप्रैल 1857 को फांसी दे दी गई। चर्बी लगे कारतूस 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का तात्कालिक कारण बना।

प्रश्न क्र० (8) का उत्तर (अथवा)

प्रति व्यक्ति आय –
किसी देश की कुल राष्ट्रीय आय में देश की कुल जनसंख्या का भाग देने पर प्रति व्यक्ति आय प्राप्त होती है। इसे निम्नलिखित सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है –

$$\text{प्रति व्यक्ति आय} = \frac{\text{राष्ट्रीय आय}}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

राष्ट्रीय आय के माध्यम से किसी देश की जनता के प्रति व्यक्ति जीवन स्तर के बारे में जानकारी मिलती है।

प्रश्न क्र० (9) का उत्तर

द्वितीयक क्षेत्र –
वह क्षेत्र जिसमें मानवीय क्रियाओं के द्वारा वस्तुओं को उपयोगी वस्तु में परिवर्तित किया जाता है, द्वितीयक क्षेत्र कहलाता है। जैसे – उद्योग आदि।

B
S
E

6 [ ] + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 6 के अंक | कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० (10) का उत्तर (अथवा)

उपभोक्ता के कर्तव्य -

(i) सामान खरीदने पर कैश मेमो प्राप्त करना।
(ii) वस्तु का आई. एस. आई. मात्रक देखना।
(iii) वस्तु के उपयोग की अंतिम तारीख देखना।

प्रश्न क्र० (11) का उत्तर

स्वामित्व के आधार पर उद्योग चार प्रकार के होते हैं -

(i) निजी उद्योग - वे उद्योग जो निजी स्वामित्व में होते हैं। निजी उद्योग कहलाते हैं। जैसे - टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी।

(ii) सरकारी उद्योग - वे उद्योग जो सरकार के स्वामित्व में होते हैं, सरकारी उद्योग कहलाते हैं।

(iii) सहकारी उद्योग - वे उद्योग जो सहकारी स्वामित्व में होते हैं, सहकारी उद्योग कहलाते हैं।

(iv) मिश्रित उद्योग - वे उद्योग जो उपर्युक्त वर्णित उद्योगों में से किन्हीं दो या अधिक के स्वामित्व में होते हैं, मिश्रित उद्योग कहलाते हैं।

निरंतर ----

प्रश्न क्र० (12) का उत्तर

आंतरिक जल परिवहन की प्रमुख बाधाएँ निम्न हैं —

(i) भारत की अधिकांश नदियाँ मौसमी हैं, शुष्क मौसम में कुछ नदियाँ बिल्कुल सूख जाती हैं तथा कुछ नदियों में जल धारा इतनी पतली और उथली होती है कि उनमें नावें या स्टीमर नहीं चलाये जा सकते हैं।

(ii) वर्षा के मौसम में नदियों में जलधारा की गति अत्यधिक तीव्र हो जाती है, जिससे नाव्य नदियों का उपयोग परिवहन के लिए नहीं हो पाता है।

(iii) नदियों से सिंचाई के लिए जगह-जगह से नहरें निकाली गई हैं, और बाँध बनाने से मार्ग बाधायुक्त हो जाता है।

(iv) दक्षिण भारत की नदियाँ पथरीले भागों से बहते हुये प्रपात बनाती हैं। प्रपात की तीव्र गति के साथ नावें या स्टीमर नहीं चलाये जा सकते।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (13) का उत्तर

आपदा -
आपदा वे संकट हैं, जो अचानक प्रभावी होते हैं, और इनके परिणाम प्रभावी होते हैं तथा इनकी परिणति मानवीय वेदना तथा कष्टों में होती है।
अर्थात आपदा वे संकट हैं, जो अचानक प्रभावी होकर मानव को असुरक्षा एवं संकट में डालते हुये, मानवीय दुर्बलताओं को दर्शाती हैं। आपदा के दो प्रकार हैं -

(i) प्राकृतिक आपदाएँ - वे घटनाएँ जो प्रकृति में व्यापक रूप से घटित होती हैं, और इनके परिणाम विनाशकारी होते हैं। जैसे - सुनामी, बाढ़, भूकंप, भूस्खलन आदि।

(ii) मानवकृत आपदाएँ - वे घटनाएँ जो मानवीय महत्वाकांक्षाओं के कारण घटित होती हैं, जैसे - बम विस्फोट, रासायनिक आपदा आदि।

प्रश्न क्र० (14) का उत्तर (अथवा)

जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड -
रौलेट अधिनियम मार्च 1919 में लागू हुआ। पूरे देश में इसका विरोध हुआ। जगह- जगह हड़ताल, प्रदर्शन हुये।

BSE

कुल अंक

पंजाब में भी रॉलेट एक्ट का विरोध हुआ। पुलिस ने लाठियाँ, गोली चलाई। 10 अप्रैल को कांग्रेस के बड़े नेता डॉ. सत्यपाल और डॉ. सैफुद्दीन किचलू को गिरफ्तार किया गया। इसके विरोध में 13 अप्रैल, बैसाखी के दिन पंजाब में जलियाँ-वाला बाग में सभा का आयोजन हुआ। यह एक छोटा सा बाग है, जिसके चारों तरफ मकान हैं। जनरल डायर अपने सैनिकों के साथ बाग में दाखिल हुआ और बाग से निकास का एक मात्र द्वार था, उसे घेर लिया। डायर ने सैनिकों को गोलाबारुद खत्म होने तक गोली चलाने के आदेश दिये। गोलीबारी लगभग दस मिनट तक चली। सभा में बूढ़े, बच्चे, स्त्रियाँ थे। कोई बाहर नहीं भाग सका। जनरल अपने सैनिकों के साथ वापस चला गया। सरकारी आँकड़ों के अनुसार बाग में 400 लोग मारे गये और 1200 लोग घायल हुये। इस पूरे जनसंहार के विरोध में पूरा देश खड़ा हुआ। डायर की इस क्रूरतम पशुता और जान-बूझ कर किये गये नरसंहार से अंग्रेजों की आत्मा काँप उठी, उन्होंने भी इसकी निंदा की।

इस जनसंहार के तुरंत बाद पंजाब में मॉरलि लॉ लगाकर आतंक राज कायम कर दिया गया, यह आतंक भी आंदोलन न रोक सका। डायर ने जिस सैनिक भय को उत्पन्न करना चाहा, वह नहीं हो सका।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० (15) का उत्तर

भारत और चीन युद्ध के निम्नलिखित निकटवर्ती और दूरगामी परिणाम सामने आये –

(i) भारत और चीन के सम्बन्ध तनावपूर्ण हो गये।

(ii) भारत के भू-भाग का एक बहुत बड़ा भाग चीन के कब्जे में चला गया।

(iii) भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि और गुटनिरपेक्षता की नीति आहत हुये।

(iv) भारत की विदेश नीति में आदर्शवाद के स्थान पर यथार्थवाद और व्यवहारिकता को स्थान मिला।

(v) भारत और अमेरिका के सम्बन्धों में सुधार हुआ।

प्रश्न क्र० (16) का उत्तर

संविधान द्वारा भारत के नागरिकों को छः मौलिक अधिकार दिये गये हैं –

(1) समानता का अधिकार – संविधान द्वारा भारत

निरंतर ---

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD

के नागरिकों में पंथ या सम्प्रदाय के आधार पर भेदभाव नहीं किया जायेगा, सभी को समान अधिकार प्राप्त हैं।

(२) स्वतंत्रता का अधिकार – देश के नागरिकों को देश में कहीं भी निवास करने, अपना मत व्यक्त करने, कोई भी व्यवसाय करने की स्वतंत्रता प्राप्त है।

(३) शोषण के विरुद्ध अधिकार – मजदूरों को काम कराने के बाद पूरी मजदूरी न दिया जाना, बालश्रम कराना या अन्य किसी भी प्रकार के शोषण के विरुद्ध अधिकार प्राप्त है।

(4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार – प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म, विश्वास एवं उपासना की स्वतंत्रता है। राज्य सरकार द्वारा उसे धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है।

(5) संस्कृति एवं शिक्षा का अधिकार – सभी नागरिकों को अपने भाषा, लिपि, संस्कृति का अधिकार दिया गया है।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र

(6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार –
उपर्युक्त वर्णित किसी भी अधिकार की अवहेलना होने चाहे वह सरकार के द्वारा ही क्यों न हो, व्यक्ति सर्वोच्च न्यायालय में शिकायत कर सकता है।

प्रश्न क्र० (17) का उत्तर

समाजवादी अर्थव्यवस्था के गुण निम्न हैं–

(1) उत्पादन के साधनों पर सामाजिक स्वामित्व–
समाजवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर सामाजिक स्वामित्व होता है। इस अर्थव्यवस्था में कोई भी कार्य व्यक्तिगत लाभ की पूर्ति के लिए नहीं होता है।

(2) आर्थिक स्वतंत्रता –
इस अर्थव्यवस्था में आर्थिक स्वतंत्रता एक बड़ा गुण है। समाज में किसी प्रकार का दबाव नहीं दिया जा सकता है।

(3) शोषण की समाप्ति – समाजवादी अर्थव्यवस्था में समाज का नियंत्रण होता है, किसी एक व्यक्ति का नियंत्रण

निरंतर - -

B S E

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

नहीं होता है, जिसके कारण पूँजीपतियों के द्वारा श्रमिकों का शोषण नहीं हो पाता।

(4) पूर्ण रोपेण रोजगार की प्राप्ति - समाजवादी अर्थव्यवस्था में जिस गति से श्रमिकों की संख्या बढ़ती है, उसी गति से रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सभी श्रमिकों को पूर्ण रोजगार की प्राप्ति होती है।

प्रश्न क्र० (18) का उत्तर (04)

(1) हिम - ✕

(2) वर्षा - ●

(3) ओला - △

(4) कुहरा - ≡

(5) धुंधला प्रकाश - ∞

प्रश्न क्र० (19) का उत्तर (04)

सविनय अवज्ञा आंदोलन - कांग्रेस की कार्यसमिति को लाहौर अधिवेशन में सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाये

प्रश्न क्र

जाने की स्वीकृति मिल गई थी। वायसराय लार्ड इरविन ने कांग्रेस के पूर्ण स्वाधीनता प्रस्ताव को मानने से इंकार कर दिया, पर गांधीजी अभी भी समझौते की आशा रखते थे। गांधीजी ने लार्ड इरविन के समक्ष 11 मांगे प्रस्तुत कीं, और यह भी कहा कि सन 1930 की मांगे न माने जाने की स्थिति में सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ किया जायेगा।

गांधी जी की मांगे थी कि सरकार पूर्ण नशाबंदी लागू करे, बन्दूकों को रखने का लाइसेंस दिया जाये, नमक कर समाप्त हो, हिंसा से दूर रहने वाले राजनीतिक बंदी छोड़े जायें, कपड़ो का आयात कम हो, गुप्तचर व्यवस्था में नियंत्रण स्थापित हो, सैनिक व्यय में पचास प्रतिशत की कमी हो आदि। लार्ड इरविन ने गांधीजी की मांगों को खारिज कर दिया और गांधीजी ने योजनानुसार सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ कर दिया।

प्रश्न क्र० (20) का उत्तर (04)

सन 1971 का भारत - पाक युद्ध —

सन 1971

निरंतर - - -

इस
का भारत - पाक युद्ध 14 दिनों तक चला। इस
युद्ध में पाकिस्तान को पराजय का सामना
करना पड़ा, पाकिस्तान को अपने अपूर्व अंग पूर्वी
पाकिस्तान से हाथ धोना पड़ा। इस युद्ध
में पाकिस्तान की पराजय के निम्नलिखित
कारण थे —

(i) पाकिस्तान सैन्य शक्ति में भारत से दुर्बल था।
(ii) पाकिस्तान का नैतिक पक्ष कमजोर था,
पूर्वी पाकिस्तान से भेदभाव पूर्ण व्यवहार के
कारण जनता में आक्रोश था। बंगाली जनता
अपने हक के लिए लड़ रही थी।
(iii) पाकिस्तानी तानाशाही प्रजातंत्रीकरण की उपेक्षा
कर रही थी, यह उपेक्षा पूर्ण व्यवहार उसे
भारी पड़ा।
(iv) पूर्वी पाकिस्तान, पश्चिमी पाकिस्तान से पर्याप्त
दूरी पर था। जिससे पाकिस्तान पूर्वी पाकिस्तान
तक नहीं पहुँच सका और समुद्री मार्ग को
भारतीय नौसेना ने घेर लिया जिससे पाकिस्तानी
सैनिकों को आपूर्ति नहीं मिल पाई।
(v) पाकिस्तान की अत्याचारी नीति से नाराज
लाखों शरणार्थी भारत आये, जिससे भारत को
पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप
करने को मौका मिला।

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 16 के अंक | कुल अंक

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र० (21) का उत्तर (अ)

संकटकाल की स्थिति से निपटने के लिए संविधान द्वारा कुछ अधिकार राष्ट्रपति को दिये गये हैं।
ये संकटकालीन अधिकार निम्न हैं —

(1) राष्ट्रीय आपातकाल पर —
यदि भारत के राष्ट्रपति संतुष्ट हो जायें कि देश के किसी भाग की सुरक्षा खतरे में है, तो वह आपातकाल लागू कर सकता है। आपातकाल को केंद्रीय मंत्रिमण्डल की सलाह पर लागू किया जाता है। आपात काल संसद के दोनों सदनों के भीतर इसे दो माह के अंदर स्वीकृति मिलना अनिवार्य है।

(2) राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता पर —
यदि राष्ट्रपति संतुष्ट हो जायें कि किसी राज्य का शासन संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार नहीं चल पा रहा है तो वे आपात काल लागू कर सकते हैं। इस स्थिति में राज्यपाल द्वारा सूचना राष्ट्रपति को दी जाती है और राज्यपाल राज्य में राष्ट्र के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है।

निरंतर -

B S E

मध्यप्रदेश

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

(3) वित्तीय संकट- यदि राष्ट्रपति संतुष्ट हो जाये कि देश के किसी भाग की वित्तीय साख को खतरा है, तो वह आपातकाल लागू कर सकते है।

आपातकाल की स्थिति मे नागरिको के मौलिक अधिकार प्रतिबंधित किये जा सकते है।

प्रश्न क्र० (22) का उत्तर (04)

मादक पदार्थों के सेवन से शरीर पर निम्न लिखित प्रभाव पड़ते है -

(i) स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव- व्यक्ति का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, उसे कई तरह के रोग हो जाते है। वह कार्य करने योग्य नहीं रह जाता है।

(ii) मानसिक स्वास्थ पर प्रभाव- व्यक्ति की मनोदशा पूरी तरह बिगड़ जाती है, व्यक्ति मानसिक कार्य नहीं कर पाता है।

(iii) आर्थिक प्रभाव- नशा करने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है। जो खर्च

(18) [ ] + [ ] = [ ]

पृष्ठ पृष्ठ कुल अंक

प्रश्न क्र

घर पर होना चाहिए, वह नशे की भेंट चढ़ जाता है, जिससे पारिवारिक कलह उत्पन्न हो जाती है।

(iv) सामाजिक स्थिति पर प्रभाव -

व्यक्ति की सामाजिक स्थिति पूरी तरह बिगड़ जाती है। नशा करने वाले व्यक्ति को समाज में बुरी नजरों से देखा जाता है यह पूरे परिवार को सहना पड़ता है।

(v) दुर्घटनाएँ -

नशा करने वाले व्यक्ति चोरी, व्यभिचार, आतंक आदि दुर्घटनाओं को बढ़ाते हैं। जिससे समाज की कानून व्यवस्था भंग होती है।

प्रश्न क्र० (23) का उत्तर

वन संरक्षण -

वनों के साथ हमें वन के जीवों का संरक्षण करना आवश्यक है। मानव ने अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए वन तथा वन्य जीवों का भरपूर दोहन किया है। वनों की शोभा, पर्यावरण में स्थिरता बनाये रखने के लिए वन्य जीव संरक्षण आवश्यक है।

निरंतर - -

वन्य जीव संरक्षण के लिए निम्नलिखित सरकारी प्रयास अथवा लोक प्रयास किये गये हैं –

(1) संघ संशोधित वन नीति –
इस नीति का मुख्य लक्ष्य पर्यावरण में स्थिरता लाना तथा वन्य जीव एवं वनस्पति जैसी प्राकृतिक धरोहरें की रक्षा करना है।

(2) भारतीय वन प्रबंधन संस्थान की स्थापना –
वन प्रबंधन एवं व्यवसाय की नवीन बातों की जानकारी देने के लिए 1978 में स्वीडिश कम्पनी के सहयोग से वन प्रबंधन संस्थान की स्थापना अहमदाबाद में की गई है।

(3) सामाजिक वानिकी –
विश्व बैंक से प्राप्त वित्तीय सहायता से यह योजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत नहरों, सड़कों व रेल लाइनों के किनारे वृक्षारोपण करना है।

(4) वनों में लगने वाली आग रोकना –
वनों में लगने वाली आग को रोकने के लिए भी योजनाएँ विकसित की गई हैं।

(5) केंद्रीय वन आयोग की स्थापना :-
सरकार द्वारा केंद्र में केंद्रीय वन आयोग की स्थापना की गई है।

निरंतर...

20 [ ] + [ ] = [ ]

योग पृ पृष्ठ 20 क अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (२५) का उत्तर

(1) रानी लक्ष्मीबाई –

सन् 1854 में गंगाधर राव की मृत्यु के पश्चात अंग्रेजों ने रानी लक्ष्मीबाई के दत्तक पुत्र को राज्य का उत्तराधिकारी मानने से इंकार किया। उस समय अंग्रेजों की हड़प नीति चरम सीमा पर थी। रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी झाँसी देने से इंकार किया और युद्ध आरंभ हुआ। सर ह्यूरोज द्वारा पराजित होने पर रानी कालपी आई और तात्या टोपे की मदद से ग्वालियर पर अधिकार कर लिया, सर ह्यूरोज ने ग्वालियर के किले को घेर लिया। रानी ने वीरतापूर्वक अंग्रेजों से युद्ध किया और वीरगति को 18 जून 1858 को प्राप्त हुई।

(2) तात्या टोपे –

तात्या टोपे संग्राम के उन प्रमुख नेताओं में से थे, जिनकी प्रारंभिक निष्ठा पेशवा परिवार के प्रति थी। तात्या टोपे अपनी वीरता, देशभक्ति, साहस, शत्रु को चकमा देने की कुशलता, गुरिल्ला पद्धति से युद्ध के लिए जाने जाते थे। ग्वालियर पर अधिकार करने में रानी लक्ष्मीबाई के साथ आपकी महत्वपूर्ण थी। रानी के जाने के बाद इन्होंने गुरिल्ला पद्धति से युद्ध जारी रखा और अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी। एक दिन गुना जिले के आरोन जंगल में विश्राम करते वक्त अंग्रेजों ने तात्या टोपे को पकड़ लिया और 18 अप्रैल 1859 को शिवपुरी में फाँसी दे दी।

MV
13/7